एक नजर में

बैठक में गतिविधियों के लिए बांटे दायित्व

गुना। भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी की मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस कामकाजी बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु पार्टी की 'आजीवन सहयोग निधि' का संग्रहण रहा। भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार और गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ने वरिष्ठ नेतृत्व से प्राप्त निदेर्शों के बारे में पदाधिकारियों को अवगत कराया। जिला मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिला महामंत्री संतोष धाकड़ को 'जिला संयोजक' और जिला उपाध्यक्ष जगदीश मीना को 'सह संयोजक' की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सुधार कार्य के चलते 4 घंटे ठप रही बिजली

गुना। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आरडीएसएस योजना के तहत किए गए महत्वपूर्ण तकनीकी सुधार और मरम्मत कार्यों के चलते उपभोक्ताओं को करीब 4 घंटे तक बिना बिजली के समय गुजारना पड़ा। सुधार कार्य आज सुबह 11:00 बजे से शुरू किया गया था। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत प्रवाह पूरी तरह बंद रखा गया। इस शटडाउन का व्यापक असर हनुमान टेकरी, शिवपुरम कॉलोनी, न्यू टेकरी रोड, बूढ़े बालाजी, पुरानी छावनी, सकतपुर रोड और हरिपुर रोड जैसे इलाकों में देखने को मिला।

इसके साथ ही सरस्वती विहार, पवन कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड और मुक्तिधाम रोड के आसपास के निवासियों को भी बिजली न होने से दैनिक कार्यों में काफी असुविधा का सामना करना पड़ा।

मयखाने में तब्दील हो गए होटल और रेस्टोरेंट!

बड़ी दबिश : होटल, ढाबों और सार्वजनिक स्थानों पर मदिराप्रेमियों में हड़कंप

- अघोषित बार : इक्का-दुक्का कार्रवाई
- हाइवे के होटलों पर नियमों का उल्लंघन

नवभारत न्यूज

गुना 9 फर. का। जिले में अवैध रूप से मदिरापान और सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों के खिलाफ आबकारी विभाग ने अब अपने तेवर सख्त कर लिए हैं। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और ग्वालियर संभाग के उपायुक्त संदीप शर्मा के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी गुरुप्रसाद केवट के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया गया है। इस विशेष अभियान के तहत जिले के आधा दर्जन से अधिक सार्वजनिक स्थानों और चोरी-छिपे शराब पिलाने वाले होटल-ढाबों पर ताबड़तोड़ दबिश दी गई।

कार्यवाही की भनक लगते ही कुछ होटल संचालक मौके से फरार हो गए और परिसर सूने पाए गए, लेकिन विभाग ने कई स्थानों पर नियमों का घोर उल्लंघन पकड़ते हुए प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्यवाही के दौरान वृत्त एवं नियंत्रण कक्ष प्रभारी राधाकिशन अटारिया की टीम ने हाईवे स्थित होटल राजपुताना, इंडस्ट्रियल एरिया के होटल शूटर व सरदारजी होटल, जज्जी बस स्टैंड, पुरानी सायकल फैक्ट्री, अंडर ब्रिज बस स्टैंड और होटल अमन जैसे प्रमुख ठिकानों पर छापेमारी की। इन स्थानों पर कई नवयुवक और अन्य लोग मदिरा का सेवन करते पाए गए। प्रशासनिक सख्ती के दावों के बीच गुना शहर और आसपास के इलाकों की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। शहर के कई नामी होटल और आलीशान रेस्टोरेंट अब अघोषित बार में तब्दील हो चुके हैं, जहां देर शाम होते ही शराब के जाम छलकाए जाते हैं। ताज्जुब की बात यह है कि आबकारी विभाग की कार्यवाही इन रसूखदार संस्थानों तक पहुँचने के बजाय केवल चुनिंदा ठिकानों तक ही सीमित नजर आती है। विभाग की वर्तमान सक्रियता सराहनीय तो है, लेकिन यह सवाल भी उठ रहे हैं कि आखिर बड़े और रसूखदार होटल मालिकों पर हाथ

डालने से विभाग क्यों हिचकिचा रहा है?

हाइवे के 'मदिरा अड्डों' पर मेहरबानी

आबकारी विभाग की सबसे ज्यादा विफलता हाइवे पर स्थित उन बड़े होटलों और ढाबों के खिलाफ दिखती है, जो अवैध रूप से शराब परोसने के मुख्य केंद्र बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाइवे के ढाबों पर रातभर महफिलें सजती हैं, लेकिन विभाग की छापामार कार्यवाही यहाँ न के बराबर होती है। वर्तमान में विभाग की कार्यवाही केवल इक्का-दुक्का होटलों तक ही सिमट कर रह गई है। जानकारों का मानना है कि यदि प्रशासन बिना किसी दबाव के व्यापक और निष्पक्ष कार्यवाही करे, तो गुना के कई बड़े सफेदपोश होटल और रेस्टोरेंट संचालक बेनकाब होंगे जो कानून की धज्जियां उड़ाकर अवैध रूप से शराब पिलाने का धंधा कर रहे हैं।

युवाओं के भविष्य पर मंडराता खतरा

विभाग को लगातार सूचनाएं मिल रही थीं कि कई युवा होटलों और ढाबों पर शराब पीने की लत का शिकार होकर अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए जिला आबकारी अधिकारी ने त्वरित कार्यवाही और सुधार के आदेश जारी किए थे। इस अभियान के दौरान मदिरा का सेवन करने वालों और अवैध रूप से पिलाने वाले होटल संचालकों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। मौके पर मौजूद कई लोगों को विभाग की ओर से सख्त हिदायत दी गई और उन्हें भविष्य में होने वाली दंडात्मक कार्यवाही व नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया गया।

> **कलेक्टर के सख्त निर्देश : शादियों के सीजन में रखी जाएगी 'पैनी नजर'**
>
> कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों और होटलों पर यह चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आगामी शादियों के सीजन को देखते हुए विशेष रूप से होटल, मैरिज गार्डन और निजी फार्म हाउस पर कड़ी नजर रखी जाएगी। विभाग का उद्देश्य है कि सामाजिक कार्यक्रमों में कानून और मयार्दा बनी रहे। जो भी संचालक अपने परिसर में अवैध रूप से शराब पिलाते या परोसते पाए जाएंगे, उनके लाइसेंस निरस्त करने के साथ-साथ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

शराब की महफिलें और बढ़ते अपराध विवादों का केंद्र बनते होटल

जिले के कई होटलों और रेस्टोरेंट्स में अवैध रूप से शराब पिलाने की सुविधा देना केवल कानून का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था के लिए भी बड़ी चुनौती बन गया है। शराब के नशे में धुत होने के बाद इन स्थानों पर अक्सर मामूली बात से शुरू हुए विवाद खूनी संघर्ष में बदल जाते हैं। आए दिन इन होटलों में गाली-गलौज, मारपीट और तोड़फोड़ की खबरें सामने आती हैं। शराब की मौजूदगी की वजह से अपराधी तत्व भी इन जगहों पर सक्रिय रहते हैं, जिससे आम परिवारों का इन रेस्टोरेंट्स में जाना दूभर हो गया है। कई बार तो नौबत गंभीर मारपीट और पुलिस केस तक पहुँच जाती है, जिसका मुख्य कारण परिसर के भीतर अवैध मदिरापान ही होता है।

स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार, क्रिटिकल केयर ब्लॉक का ट्रायल रन शुरू

नवभारत न्यूज

गुना। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नवनिर्मित अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक की सेवाओं का आगाज हो गया है। वर्तमान में इस यूनिट का ट्रायल रन शुरू किया गया है, जिसके तहत प्राथमिक तौर पर ओपीडी और इमरजेंसी सेवाओं को यहाँ शिफ्ट करने की प्रक्रिया जारी है।

इस ट्रायल रन का मुख्य उद्देश्य व्यवस्थाओं की बारीकियों को समझना है, जिसमें विशेष रूप से स्टाफ के काम करने के तरीके और रिस्पांस टाइम की निगरानी की जा रही है। प्रशासन का लक्ष्य है

कि इस यूनिट में आने वाले गंभीर मरीजों को आधे से एक घंटे के भीतर तत्काल और सटीक उपचार उपलब्ध कराकर उन्हें संबंधित वार्डों में शिफ्ट कर दिया जाए, ताकि कीमती समय बचाया जा सके। मरीजों को उच्च स्तरीय और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इस पूरे वार्ड को नवीनतम चिकित्सा संसाधनों और अत्याधुनिक मशीनों से लैस किया गया है। यहाँ की कार्यप्रणाली को सुचारू बनाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती की गई है, जो आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को बिना किसी असुविधा के त्वरित सहायता प्रदान करने में सक्षम है। क्रिटिकल केयर यूनिट के इस महत्वपूर्ण ट्रायल रन की शुरूआत के दौरान जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर स्वयं उपस्थित रहे।

उन्होंने पूरे ब्लॉक का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि संसाधनों का उपयोग मरीजों के हित में पूरी क्षमता के साथ किया जाए।

महादेव मंदिर पर बाबा पशुपतिनाथ का दिव्य श्रृंगार

नवभारत न्यूज

गुना। शहर के प्रसिद्ध सार्वजनिक श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर, पुराना बस स्टैंड ए.बी. रोड, गुना में भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाव्य पुरी के जगन्नाथ जी की तर्ज पर बाबा पशुपतिनाथ जी का दिव्य श्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।

मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था तथा भगवान के दिव्य श्रृंगार ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्रद्धालुओं का कहना था कि इस प्रकार का दिव्य श्रृंगार गुना शहर के लिए गौरव की बात है और इससे धार्मिक वातावरण और अधिक पवित्र हुआ है। मंदिर समिति द्वारा बताया गया कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे। इस आयोजन से पूरे क्षेत्र में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला तथा श्रद्धालुओं ने भगवान से सुख-समृद्धि की कामना की।

कौमी खिदमतगार सोसाइटी की अहम बैठक आयोजित

मधुसूदनगढ़। मुस्लिम समाज की प्रमुख संस्था कौमी खिदमतगार सोसाइटी की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश अध्यक्ष इमरान पठान के निवास पर आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के शैक्षणिक, धार्मिक और सामाजिक उत्थान को लेकर व्यापक चर्चा की गई, साथ ही समाज की विभूतियों का सम्मान भी किया गया। मुस्लिम समाज के बच्चों की दीनी तालीम (धार्मिक शिक्षा) पर जोर दिया गया, ताकि नई पीढ़ी अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ी रहे। आगामी पवित्र रमजान माह को देखते हुए 'सदका' और 'जकात' (दान) के सही प्रबंधन पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इसके साथ ही, इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले जायरीन के स्वागत और सम्मान को लेकर कार्ययोजना तैयार की गई। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण शराफत खान का सम्मान समारोह रहा। उन्हें नेशनल मीडिया फाउंडेशन का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किए जाने पर कौमी खिदमतगार समिति और मुस्लिम समाज द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए समिति के पदाधिकारियों ने शराफत खान को शाल और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

आज लगेगा रोटरी मेडिकल मिशन का शिविर

गुना। मध्यप्रदेश शासन, श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन, रोटरी क्लब गुना रॉयल और रोटरी क्लब गुना के संयुक्त तत्वाधान में आज, 10 फरवरी (मंगलवार) को जिला चिकित्सालय गुना में 17वें मेगा रोटरी मेडिकल मिशन स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन शिविरों में जिन मरीजों को उच्च स्वास्थ्य उपचार की आवश्यकता पाई गई थी, उन्हें रोटरी मेडिकल मिशन शिवपुरी के लिए रिफर किया गया है।

गिरदावरी कर रहे सर्वेयरों ने प्रशासन को सुनाई पीड़ा, सौंपा ज्ञापन

गुना। जिले में गिरदावरी कार्य करने वाले युवा सर्वेयरों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। अल्प मानदेय और भुगतान में देरी से परेशान सर्वेयरों ने लोक यूथ महासंघ के बैनर तले अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

सर्वेयरों ने अपना दुखड़ा सुनाते हुए कहा कि भीषण गर्मी और बारिश के बीच खेतों की गीली मिट्टी में घुसकर काम करने के बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

ज्ञापन के माध्यम से सर्वेयरों ने बताया कि वे पटवारियों और गिरदावरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गिरदावरी का काम करते हैं, लेकिन उन्हें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऑनलाइन वेबसाइट और पोर्टल में बार-बार आने वाली तकनीकी खामियों के कारण एक ही काम को कई बार करना पड़ता है। इसके अलावा, सर्वे के दौरान अक्सर खेतों की स्थिति को लेकर किसानों के साथ तीखी बहस और विवाद की स्थिति भी बन जाती है, जिससे उन्हें मानसिक तनाव झेलना पड़ता है। जिलेभर में लगभग डेढ़ हजार युवा सर्वेयर इस कार्य से जुड़े हैं। सर्वेयरों का कहना है कि महज 8 रुपये प्रति खसरा मानदेय मिलने के बावजूद, बढ़ती बेरोजगारी के कारण वे यह जोखिम भरा काम करने को मजबूर हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि फील्ड में काम करने वाले सभी सर्वेयरों का बीमा कराया जाए। सुरक्षा और पहचान के लिए आवश्यक किट उपलब्ध कराई जाए और मानदेय का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए और अन्य बुनियादी सुविधाएं दी जाएं। सर्वेयरों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का निराकरण जल्द नहीं किया गया, तो उनके लिए इस अल्प मानदेय में कार्य जारी रखना असंभव होगा।

जिला प्रशासन ने ज्ञापन लेकर उचित कार्यवाही के लिए शासन तक बात पहुँचाने का आश्वासन दिया है।

एसआईआर में जिले का एमपी में दूसरा स्थान, प्रो-एक्टिव होकर काम करें अधिकारी

नवभारत न्यूज

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ नवाचारों और आगामी परीक्षाओं की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के आरंभ में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य 2026 (एसआईआर) में गुना जिले द्वारा प्रदेश में संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त करने पर हर्ष व्यक्त किया गया। कलेक्टर कन्याल ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों और पूरी टीम का तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी इसी समर्पण से कार्य करने की प्रेरणा दी। आगामी बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए।

उन्होंने केंद्रों पर बैठक व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुव्यवस्थित रखने पर जोर दिया ताकि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। साथ ही, संजय स्टेडियम में हाल ही में संपन्न हुए हॉकी टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए नगर पालिका की टीम की विशेष रूप से सराहना की गई।

प्रो-एक्टिव कार्यप्रणाली और नो-पेंडेंसी का लक्ष्य

कलेक्टर कन्याल ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि सभी विभाग अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल कागजी कार्य न करें, बल्कि यह भी देखें कि उनके प्रयासों की प्रभावी मॉनिटरिंग हो रही है या नहीं। उन्होंने 'नो-पेंडेंसी' (शून्य लंबित प्रकरण) के सिद्धांत पर प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की बात कही।

तकनीक से पारदर्शी होगा शासकीय परिसंपत्तियों का प्रबंधन

बैठक के दौरान ई-गवर्नेंस मैनेजर गौतम श्रीवास्तव और सीनियर ऋकर एग्जीक्यूटिव पूजा द्वारा 'डिस्ट्रिक्ट जीआईएस पोर्टल' और 'परख (ढअफअडल्ल) एप्लीकेशन' का प्रशिक्षण दिया गया। इस तकनीक के माध्यम से जिले की शासकीय परिसंपत्तियों

की जीआईएस आधारित एसेट मैपिंग और डिजिटल निरीक्षण किया जा सकेगा। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी डेटा को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाना है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी सौगात

बैठक में जिला चिकित्सालय में नवनिर्मित क्रिटिकल केयर सेंटर के प्रारंभ होने पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने बताया कि इस अत्याधुनिक सेंटर के शुरू होने से जिले के आम नागरिकों को आपातकालीन स्थिति में बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा।

जानलेवा हमले के 2 फरार आरोपी गिरफ्तार

गुना/राघौगढ़। पुलिस ने साल 2019 में लालापुरा क्षेत्र में हुई डकैती और गंभीर मारपीट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटनाक्रम के अनुसार, 8 सितंबर 2019 को राघौगढ़ निवासी फरियादी राजीव श्रीवास्तव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि आरोपी शब्बीर खान, उसकी पत्नी, बेटा माइकल और परिवार के अन्य सदस्यों ने एक राय होकर धारदार हथियारों से लैस होकर उनके घर में घुसकर हमला किया था। आरोपियों ने घर में जमकर तोड़फोड़ की, परिवार के साथ मारपीट की और मोबाइल लूटकर फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तब अपराध क्रमांक 339/19 के तहत धारा 147, 148, 149, 323, 452, 506, 395 (डकैती), 427 और 324 भादवि के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया था। घटना के बाद से ही आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे थे।

लापरवाही **गुना जिला अस्पताल फिर शर्मशार, प्रबंधन ने नहीं कराया मेडिकल परीक्षण**

जिला अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी पर नशे में डॉक्टर!

गुना। जिला अस्पताल में बीती रात एक डॉक्टर की हरकतों ने पूरे स्वास्थ्य विभाग को शर्मशार कर दिया है। चिकित्सकों के हाव-भाव और बातचीत से लग रहा था कि वे नशे में हैं और उनका अपने आप पर काबू ही नहीं था। हालांकि हमेशा की तरह आरोपों की पुष्टि करने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने चिकित्सक का मेडीकल नहीं कराया और किसी तरह डॉक्टर के बाहर जाने का इंतजाम कर उन्हें शर्मिंदगी से बचा लिया गया।

घटनाक्रम रविवार रात लगभग 9.30 बजे का है। जब बजरंगगढ़ निवासी बुजुर्ग मरीज दल्लू को

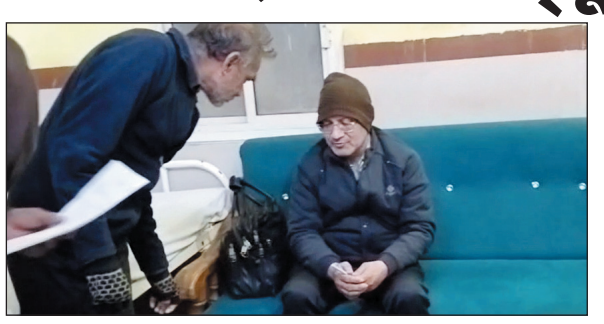

उनके परिजन बीपी बढ़ने के बाद गुना जिला अस्पताल लेकर आए थे। दल्लू के पोते ने काउंटर पर पर्चा बनवाया और इमरजेंसी कक्ष क्रमांक 15 में बैठे चिकित्सक डॉ. अजय राठौर के पास पहुंच गए। हैरानी तब हुई जब डॉ. अजय राठौर अपनी ही धुन में खोए नजर आए। तभी अस्पताल में पदस्थ एक गार्ड उनके चैंबर में पहुंचा और डॉ. राठौर को इस तरह निर्देश दे रहा था कि एक पल के लिए वहां मौजूद मीडियाकर्मियों को वह भी डॉक्टर नजर आने लगा। चिकित्सक ने जैसे-तैसे पर्चे पर कुछ लिख दिया जो किसी को समझ नहीं आ रहा था। हालांकि उनके हावभाव को देखते हुए जब यह आशंका हुई कि डॉक्टर ने कुछ गलत लिख दिया होगा और उनसे पूछा गया कि जिस मरीज को भर्ती करने के निर्देश दे रहे हैं, उसका नाम क्या है? इस बार चिकित्सक की लय फिर बिगड़ गई और वह इधर-उधर की बात करने लगे। अचानक चिकित्सक को कुछ सूझा उन्होंने एक मीडियाकर्मी के हाथ से दल्लू का पर्चा छीन लिया और उसे मोड़कर अपने पास रख दिया। इस घटनाक्रम के दौरान इलाज कराने आया मरीज हैरान हो गया, उसकी तकलीफ भी लगातार बढ़ती जा रही थी। इस मामले की जानकारी जैसे ही अस्पताल प्रबंधन को मिली, तत्काल सह अधीक्षक डॉ. सूरज सिंह सहित कुछ चिकित्सक अस्पताल पहुंचे और मामले को संभालने का प्रयास किया। चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ देर पहले नशे में नजर आ रहे चिकित्सक को अस्पताल स्टाफ ने कौन से दरवाजे से बाहर भेज दिया, इसकी किसी को भनक तक नहीं लगी।

मोबाइल पर बात करते-करते युवक ने खुद को लगाई आग

गुना। शहर की मुहालपुर रोड स्थित सांई सिटी कॉलोनी में रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक द्वारा आत्मदाह का प्रयास करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। युवक घर से बाल कटाने की बात कहकर निकला था, लेकिन मावन-महूखान के बीच बरखेड़ा ढेकनी के पास उसने खुद को आग के हवाले कर लिया। गंभीर अवस्था में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक बरखेड़ा ढेकनी के पास सड़क पर किसी से मोबाइल पर बात कर रहा था। बातचीत के दौरान ही उसने अचानक खुद पर पेट्रोल जैसा कोई ज्वलनशील पदार्थ डाला और आग लगा ली। युवक को आग की लपटों में घिरा देख स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुँची और झुलसे हुए युवक को तुरंत जिला अस्पताल पहुँचाया। युवक की पहचान विकास पुत्र मनोज रघुवंशी, निवासी सांई सिटी कॉलोनी मूल निवासी निमोदा सेमरा, चांचौड़ा के रूप में हुई है। विकास की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल युवक बोलने की स्थिति में नहीं है, जिसके कारण आत्मघाती कदम उठाने की असली वजह सामने नहीं आ पाई है।